" Feedback Form "

World Wide Raman (WWR*) Foundation...

Internationally Acclaimed No. 1 authority in brain tuning & easy learning techniques.

डा0 बी0 रमन जी द्वारा प्रशिक्षित देश एवं विदेशों के हजारों सुधी अनुयायियों द्वारा डा0 बी0 रमन जी तथा उनकी कार्यशाला(वर्कशॉप) के बारे में वयक्त किये गये विचार

आपके हम दिल से आभारी हैं आपने एक नया रास्ता दिखाया है जिसे हम खोजना चाहते थे लेकिन देख नही पा रहे थे।

मीनू यादव (जिला मंत्री भाजपा)।

आप हमारे भविष्य को बनाने में बहुत सक्षम हैं और आप ईश्वर के समान या ईश्वर से कहीं बढ़कर सक्षम हैं।

रामकिशन सिंह, गाजियाबाद।

आप वास्तव में भारतरत्न और विद्या के सागर हैं जिसके पास बहुत ही सारी जानकारी का भण्डार हैं।

उमेश कुमार।

ऐसे गुरू विरले ही होते हैं और विरलों को ही मिलते हैं। आप जैसा गुरू पाकर हम अपने आप को धन्य समझते हैं।

निधि , उत्तरांचल।

ईश्वर करें कि ऐसी महान आत्मा को मेरा भारत समझ सके क्योंकि आज तक भारत की महान हस्तियों का दुर्भाग्य रहा कि लोग उन्हे उनके जीवित काल में नही समझ सके। परमात्मा करें कि लोग इस संत से प्रेरणा ले व उनके मिशन को बढाये।

शैलेन्द्र आर्य, मेरठ।

जितना सुना था आपके बारे में उसस कही ज्यादा पाया आज मुझे जो शिक्षा मिली उसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था।

पूनम सिंह, सहारनपुर।

आप अपनी किताबें छपवाकर हम सभी लोगों को जरूर दें क्योंकि आपसे अच्छी किताब शायद ही कोई लिख पाये।

पुनीत कुमार सिंह।

आप वास्तव में भारत रत्न के अधिकारी और आपको एक दिन मिलेगा भारत रत्न आज हमारे देश भारत को ऐसे युवाओं की अति आवश्यकता है जो राष्ट्र निर्माण मे सहायक हो।

उमेश कुमार।

मुझे ऐसा महसूस हुआ कि जैसे आप कोई संत है आपके अंदर बच्चों के अंदर की शक्ति जाग्रत करने की आलौकिक क्षमता हैं।

दीपक कुमार, बी.फार्म।

आपके आधे घंटे का प्रोग्राम और मेरा पूरा जीवन बराबर हो गया मेरे मन के कोरे पन्नों पर आपने जो किताब लिख डाली है वह अमिट हैं।

आयुष सैनी।

मुझे इस वर्कशाप से बहुत फायदा हुआ है इससे हमे जीवन में जीने का तरीका मिला है। अब मैं धीरे धीरे अपना माइंड पढाई की तरफ लगाने में लगी हुई हूं। अब मुझे यह जादू आ गया है जिससे हर काम मैं जल्दी से कर पाती हूं।आपके ऐसी बात बतायी जिसके बाद मुझे गुस्सा आना कम हो गया। मेरे पास ऐसे शब्द नहीं है जिससे मैं बता पाऊं कि मुझे कितना फायदा हुआ हैं इसलिए मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहूंगी।

प्राची।

आप ही मेरे एक आदर्श गुरू बन गये हैं और जिंदगी भर आपका शिष्य बनकर रहुंगा और हर सुबह हर सांस आपकी ही देन होगी क्योकि आपने ही मुझे जीने का एक अच्छा तरीका सिखाया हैं।

अभिषेक जैन, बागपत।

मुझे इस प्रोग्राम में आकर बहुत अच्छा लगा, मैनें आज 50 रूपये नही बल्कि अगले 50 सालों को सवारा है जो इस सेमिनार के बिना अधूरे थे।

विकास तोमर, बागपत।

आपके मुंह से निकला हुआ एक–एक शब्द मुझे जीने का नया मकसद प्रदान करता हैं।

कपिल देव शर्मा, बिजनौर।

इस वर्कशाप से मुझे और मेरे मस्तिष्क को काफी लाभ हुआ इससे मेरी स्मरण शक्ति काफी तेज हुई मैं सभी से यह कहना चाहुँगीं यदि यह वर्कशाप पुनः होती है तो इस वर्कशाप को जरूर करें इस वर्कशाप से मुझे भौतिक विज्ञान के सूत्र, रसायन विज्ञान की समीकरण, आर्वृत सारणी, 100 साल का कलेन्डर, जीव विज्ञान के चित्रों में भी सहायता प्राप्त हुई हैं। अतः मैं डा0 बी रमन सर की बहुत आभारी हूँ कि उन्होने मुझे स्मरण शक्ति को बढाने की यह सरल तकनीक सिखायी।

जूली कुमारी।

आज आपने मेरे मन को जो गुलाम हो चुका था आज वो आजाद हो चुका हं। और ये सब आपकी वजह से ही पूरा हो सका हैं।

नीतू तोमर, बागपत।

मैनें संतोष नायर जी को भी सुना ओर फिर देहरादून के राजेन्द्र टैगोर को भी सुना परन्तु आप ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया आपने अपने वाक्य कौशल से हम लोगों का मन जीत लिया हैं।

युद्धवोर पंवार, मुजफ्फरनगर।

मै आप से अत्यंत प्रभावित हूँ आप हमें जो व्यवहारिक शिक्षा देते हैं। आज तक हमने इस तरह की शिक्षा नहीं प्राप्त की हैं आप की शिक्षा से हमारा आध्यत्मिक, बौद्विक, व मानसिक विकास हो रहा हैं। आज तक आपने ही हमें सही दिशा में ले जाने का प्रयास किया चाहता हूँ कि आप जैसा गुरू हमें सदैव मिलता रहें।

पंतजली सैनी, मुजफ्फरनगर।

जो खुशी जो ज्ञान यहां से सीखने को मिला है वो ज्ञान अभी तक किसी से नहीं मिला मुझे लगता है यदि किसी को इंसान कहते हैं तो वो आप जैसे लेागों को ही कहते हैं।

हिंमाशु अग्रवाल, बडोत।

जब से मैने आप की कक्षा की है आप मेरे आदर्श सर हैं सर आपकी बात मेंरे मन और दिमाग को एक सत्य का प्रकाश दिखाती हैं।

प्रशांत कुमार पँवार, कालपी केरला ।

आप की कक्षा देकर हमने अपने अंदर काफी बदलाव महसूस किया हैं

पंकज कुमार।

आपकी बतायी हुइ यु टी एस मैड एक्सरसाइज से मुझे अग्रेंजी में बहुत फायदा मिला हैं।

पवन कुमार, हाथरस।

मेरा दिल बार बार आपसे मिलने को करता हैं। मैं ये चाहता हूं कि आप मेरे पास रहे।

अंकित तोमर, बागपत।

पहले सोचा आपका सेमिनार बेकार होगा लेकिन जब अटैन्ड किया तो वह बहुत ही अच्छा था।

ज्योति।

मैने आज तक आपके सही बोलने का तरीका, पढानें का ढंग देखा जो कुछ अलग ही हैं, आप की हर बात में कुछ न कुछ सीखने को मिलता हैं। आप सच में ही एक महान टीचर और एक अच्छे लेखक भी हैं।

नीलेश कुमार वर्मा, हरदोई।

यदि मेरे से आपको 100 अंक में से अंक देने के लिए कहा जाये तो मैं आपको 100में से पूरे 100 मार्क्स दूंगा ।

विशाल सिंह राना, बिजनौर।

इस वर्कशाप में आने के बाद मैं अपने मन पर काबू पाने लगा हूँ अब मुझे अंधेरे, छिपकली, कीड़े मकौडे आदि से डर नही लगता है।

गौरव शर्मा, मुजफ्फरनगर।

आपके पढाने व समझाने का तरीका अन्य सभी टीचरों से अलग हैं और आप से अच्छा शिक्षक हमें कही मिल ही नही सकता हैं।

सतेन्द्र कुमार, सहारनपुर।

आपका मार्गदर्शन हमारे जीवन के लिये बहुत उपयोगी हैं।

गजेन्द्र सिंह।

आपके विचारों से हम बहुत ही प्रभावित हुए हैं और हमें अपने जीवन में भी काफी सुधार मिला हैं।

विनय कुमार जैंन।

इस वर्कशाप से मुझे और मेरे मस्तिष्क को काफी लाभ प्राप्त हुआ हैं यदि यह वर्कशाप पुनः हो तो मैं जरूर आऊंगी।

रिचा, बिजनौर।

आज जो मैने सुना कभी आज तक इतना अच्छा प्रोग्राम न सुना और ना देखा, आर मैं हार्दिक दिल से अपने ग्रेट लीडर श्री बी रमन जी आपको अभिनन्दन करता हूं।

सुनील तोमर, मुजफ्फरनगर।

पहले मै केवल यही सोचती थी कि पढ लिखकर अपनी जिंदगी को एक मंजिल पर ले जाना हैं। अब मैं केवल यही सोचती हूँ कि मुझे हर हाल में एक बडा इंजीनियर बनना है।

मीनाक्षी सिंह, जौनपुर।

आज आपके वर्कशाप से मिले ज्ञान के अनुसार मैने अपने मन को अपने काबू में कर लिया हैं।

विपिन कुमार, भीलवाडा़।

मुझे आपका प्रोग्राम बंहुत ही अच्छा लगा मुझे आपका हर अंदाज बहुत ही अलग सा लगा।

प्रतीक जैन।

जिस तरह से आप पढाते हैं तो मुझे नही लगता कि शायद ही कोई अध्यापक इस ढंग से पढा सके। आपका सहयोग व मार्गदर्शन पाकर ही मैं अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता हूँ। आपमें अपनी जो विद्वानता है वो सभी को बॉट दे। ताकि सभी मेरे भाई व बहिन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

हरवंश सिंह, बी0टैक, अफजलगढ, बिजनौर।

मैं आज ही से अपनी सारी बुराई को छोडने को वचन लेतां हूँ और आज से ही झूठ न बोलने का वादा भी करता हूँ।

मुकुल।

आपने हमारी हिम्मत बढायी और हमें भटकने से बचाया। आप हमारे जीवन में काम आनें वाली ऐसी जरूरी बातें बताते हैं जो अभी तक किसी ने नहीं बतायी।

जयप्रकाश, मुजफ्फरनगर।

मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूँ मुझे अपने ऊपर पूरा विश्वास होने लगा है कि मैं मेहनत करके एक दिन एक अच्छी डाक्टर जरूर बनुँगी और यह सब आपकी वजह से ही संभव हो पाया हैं।

इंजी0 दीप्ती।

सर्वप्रथम आपको दिल से नमन करूं मैं।
श्रद्वा और सुमन के पुष्प अर्पण करूं मैं।
आपने आज जो बहायी है ज्ञान की गंगा।
उस गंगा में आज तरू मैं।
आपने किया है ओरों से अलग,
आज मन हुआ कि आपसे भी अलग कुछ करू मैं।

आपकी नीरू तोमर, बागपत।

आपके पढाने का तरीका बहुत ही अच्छा है उसमें यह कहने की आवश्यकता ही नहीं होती है कि हमें यह दोबारा समझना हैं।

नीतू चौधरी, बी0 टेक

आपने हमें जीवन की महत्वपूर्ण अवस्थाओं के बारे में बताया है जिसका ज्ञान हमें पहले नहीं था।

अंशु चौधरी, बिजनौर।

मुझे आपके व्यक्तित्व से एक आदर्श शिक्षक व एक आदर्श पिता की झलक मिलती हैं। जो सभी को समय समय पर सही राह दिखाते हैं।

निधि काला , बी0फार्मा,

हमें आप पर बहुत ही गर्व हैं।

दीपराज राना, धामपुर।

मुझे यहां आकर बहुत ही अच्छा लगा है और मैं आपका तहेदिल से आभारी हूं।

अचिन जैन, बागपत।

आपका एक अनोखा ही तरीका हैं।

शत्रुघन सिंह पटेल।

आज तक मैने आप जैसा अध्यापक नहीं देखा।

ललित कुमार मलिक।

आपने हम सभी के दिल में अपनी एक अलग ही जगह बना ली हैं।

वैभव कुमार जैन।

पहले मुझे अध्यापकों का पढाया हुआ समझ में नही आ पाता था लेकिन मैने जब आपका लेक्चर दिया तो सच में आप

विश्वास नहीं कर पायेंगे कि मुझे उसमें कुछ भी दोबारा पुछने की आवश्यकता ही महसूस नहीं हुई।

नितिन कुमार, बी0टैक, बागपत।

हम आपका धन्यवाद किन शब्दों में अदा करें मान्यवर हम आपको आपके उच्च विचारों के साथ बार बार अपनी कक्षा में चाहते हैं।

वीरेन्द्र सिंह, हरिद्वार।

मैं रोजाना आपकी बतायी हुई यु टी एस मैड ऐक्सरसाइज करता हूं जिसमें मुझे अग्रेजी बोलने में बहुत ही सहायता मिली है मेरे मुंह से अब शब्द अपने आप निकलते हैं।

ललित, बागपत।

जब मैने पहली बार आपकी कक्षा की तो मेरे अंदर एक गजब का आत्म विश्वास भर उठा जिसे मैं शब्दों से व्यक्त नहीं कर सकता।

अनुराग शाही श्रीवास्तव, बस्ती।

आज मैने बहुत अच्छा महसूस किया है मैं अब किसी को भी कभी परेशान नहीं करूंगा और मैं बहुत अच्छा इंसान बनकर पूरी दुनिया को दिखाऊंगा।

मौ0 सफराज।

आप पहले ऐसे सर हैं जो अपने विद्यार्थी को एक मित्र की भांति शिक्षा देने का पूरा पूरा प्रयास करते हैं।

सुनील कुमार, मुजफ्फरनगर।

आपके लेक्चर के बाद अपने अंदर गजब का आत्मविश्वास और उत्साह सा महसूस होता हैं।

मुकेश कुमार मौर्य।

मैने आज ही भगवान पर जल चढाते समय कहा था भगवान ने मेरी प्रार्थना सुन ली और मेरी भी मदद की।

दीपक शर्मा, बडोत।

आपके पढाने और समझाने के अंदाज को देखकर मुझे आप के जैसा बनने की चाह होती हैं।

राहुल चौहान, सहारनपुर।

मैंने महसूस किया है कि मुझे आपकी कक्षा के बाद मेरे अंदर काफी परिवर्तन आये हैं

गौरव कुमार।

आज आपकी वर्कशाप में मेरा पहला दिन था और मेरी प्रभु से यही इच्छा है कि दुनिया के हर विद्यार्थी को आपकी वर्कशाप का ज्ञान मिले।

विकास पुण्डीर, बी0सी0ए0।

यदि मुझे कभी पढाने का मौका मिला तो मैं आपकी तरह ही पढाना चाहूंगा।

राकेश कुमार दुबे, उत्तरांचल।

आपकी कक्षा बहुत ही अच्छी और लाभदायक है।

विवक कुमार, एम0बी0ए0।

आपकी बतायी हुयी रमन टेबल से मुझे टैन्स का सम्पूर्ण ज्ञान अच्छी तरीके से हो गया।

अरविन्द कुमार यादव, इलाहाबाद।

आपका प्रोग्राम काफी अच्छा ओरप्रेरणा देने वाला एवं व्यक्ति को आगे बढने के लिये प्रोहत्साहित करने वाला था।

योगेश चन्द्र, बडोत।

जब मैने आपका लेक्चर सुना तो काफी नॉलिज मिली और आप काफ अच्छे टीचर हैं।

अंसार अहमद, गाजियाबाद।

आपकी भाषा में एक ऐसा असर है जो ना पढने वाले बच्चों को भी पढने के लिए मजबूर करती हैं।

मिश्री सिंह, बी0टैक, बिजनौर।

मैं आपको एक आदर्श अध्यापक मानता हूं और मैंने अब तक की जिंदगी में आप जैसा इंसान नहीं देखा है क्योकि आपको अपने पर जरा भी घमण्ड नहीं हैं।

विजय तिवारी।

जब मैं उनके सपंर्क में आया तो मेरे अंदर की सारी झिझक खत्म हो गयी पहले मुझे किसी भी अध्यापक के सामने अपनी बात रखनें में बहुत परेशानी होतो थी जबसे आपने अपने

लेक्चर में मुझे कुछ ऐसी बातें जबसे मैं अपनी बात किसी से कहने से झिझकता नहीं हूं।

प्रेम कुमार त्रिवारी।

आपके इस प्रोग्राम से मेरी जिंदगी में अजीब सा बदलाव आ गया हैं।

सुमित कुमार, सहारनपुर।

गागर में सागर , जैसे किसी सोये हुये को जगाया हं।

मीनाक्षी आहुजा।

मुझे आप जैसा विचार वाला अध्यापक में नहीं मिला यह मेरा सौभाग्य है कि मेरी आपसे मुलाकात हुई हैं।

प्रदीप कुमार सिंह।

आप हमें कुछ इस तरह से पढाते हैं कि हमको आपके लेक्चर से ही समझ में आ जाता है और याद भी हो जाता हैं।

शाजिद हसन।

हमं आप से मिलने का अवसर मिला जिससे हमें बहुत कुछ सीख पाये हैं अगर आप नही सिखाते तो शायद हम ये सब बातें नहीं सीख पाते।

अरूण कुमार।

मेरी जिंदगी का यह पहला दिन था कि मैने आपकी बातों को सुना तो मैं घर जाते समय इतना खुश था कि मैं अपने

कलम से नही लिख सकता और मैं इन बातों को अपने जीवन में जरूर करूंगा।

कपिल गुप्ता।

आप जैसे आदमी अगर हमारे देश मे हो जाये तो हमारे देश की सारी बेरोजगारी खत्म हो जायेगी।

रियासत चौधरी।

आपने हमें जो कुछ भी बताया सच उसका एक एक वाक्य था जो किसी के दिल को भी जीत सकता हैं। उन्होंने याद करने की एक नयी तकनीक दी हैं।

मुकुल कुमार कश्यप।

आपके बारे में लिखने के लिए मेंरे पास कोई भी शब्द नहीं मिल रहे हैं।

अमित कुमार, बागपत।

मैं विश्वास नही करती थी लेकिन फिर भी मैं इस शो में आयीं। आपकी बातो पर मैने बहुत ध्यान दिया है। आपके कारण मैं बहुत कुछ सीख गयी हूं। आपके कारण मैने अपना लक्ष्य पहचान लिया है और मै भी डा0 बनना चाहती हूं। मैं कोकरोच, छिपकली, चूहिंया आदि पतंगों से बहुत डरती थो

लेकिन आपके कारण मुझे पता चला कि मैंने बहुत कुछ जान लिया हैं।

प्रिंयका तोमर, बागपत।

आपका कार्यक्रम वास्तव में बहुत लाजबाव रहा और मैं चाहूंगा कि यह कार्यक्रम सभी विद्यालयों में परीक्षा शुरू होने से पूर्व जरूर किया जाना चाहिए।

प्रंशात गोयल, दून पब्लिक स्कूल।

आप एक अच्छे वक्ता होने के साथ साथ एक अच्छे मोटीवेटर भी है जो किसी भी सामान्य सोच रखने वाले व्यक्ति की जिंदगी सिर्फ और सिर्फ एक घंटे की वर्कशाप के बाद एक चमत्कारी बदलाव ला सकते है।

सिकन्दर अब्बास जैदी, जानसठ, मुजफ्फरनगर।

आज तक मैंने इस 70 वर्ष की उम्र में आप जैसा शिक्षक नही देखा और आपसे मिलकर मेरी एक अच्छे शिक्षक की खोज समाप्त हुई हैं। मानो ऐसा लग रहा है कि शिक्षक के रूप में भगवान मुझे शिक्षा दे रहे हों।

आशुतोषधर द्विवेदी, गोरखपुर।

हमने आपके साथ जो भी पल गुजारे वो हमारी जिंदगी के यादगार पल होंगे क्योकि यह लम्हें भुलने के लायक नहीं हैं। हम अपने मां बाप का नाम रोशन करें ताकि उनको भी हम पर गर्व हो। क्योंकि उनके भी हम पर बहुत ही कर्ज हैं।

उमा देवी, कंकरखेरा।

इस वर्कशाप से मुझे और मेरे मस्तिष्क को काफी लाभ हुआ। इससे मेरी स्मरण शक्ति काफी तेज हुई। मैं सभी से यह कहना चाहूंगी कि यदि वर्कशाप दुबारा होती हैं तो इस वर्कशाप में जरूर हिस्सा लें क्योकि इस वर्कशाप में मुझे भौतिक विज्ञान के सूत्र, रासायनिक विज्ञान का समीकरण, आवृत्व सारणी, 100 साल का कलैण्डर, जीव विज्ञान के चित्र में भी सहायता हुई हैं। अतः इस बात के कारण मैं आपकी बहुत ही आभारी हूं।

अनुजा रानी, बिजनौर।

मैन आपको सुनकर एक शब्द सोचा कि आप एक अंधेरे विश्व में एक चमकती हुई तलवार हैं।

मनीष जैन, मेरठ।

वैसे तो इंसान सारी उम्र सीखता है और फिर भी बहुत कुछ बचा रह जाता हैं लेकिन आज हमने ये सीखा है कि हम अपने आप से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं।

मो. याकूब, रूडकी।

जब मैं आया था तब तक अंजान था इस बेरहम दुनिया से और जब आया गुरू के पास तो पता चला कि अच्छे कर्म करूंगा तभी फल मिलेगा ,नही ंतो भाग्य ही देखता रहूंगा।

आपके पास आया तो पता चला कि बिना करे तो कुछ भी नहीं मिलेंगा। ''दुनिया में कितना गम है मेरा गम कितना कम हैं इसका अर्थ भी आज पता चल गया।''

अनुज गुप्ता, मुजफ्फरनगर।

आप एक बैस्ट मोटिवेटर हैं।

राहुल कुमार।

यहां पर आने से पता चला कि हमारे अंदर अज्ञान का भण्डार था। हमें यह पूरा विश्वास है कि आपकी दी हुई शिक्षा हमें जीवन के अंतिम समय तक साथ देंगी।

रानी बाला, कानपुर।

आपसे मिलने के बाद ऐसा लगा मानों हमारे अंदर प्रकाश जल रहा हों।

मिती जैंन, मुजफ्फरनगर।

मैं 30 अप्रैल 2006 को 02 बजे से 5 बजे के बीच मेरे अंदर एक अलग तरह की फीलिंग हो रही ऐसा लग रहा कि हमने अभी तक कुछ भी नही किया और अब करना है और रमन सर की बतायी बातो के अनुसार मन को अपनी मुठठी में बंद करने की इच्छाा हमेंशा याद रहेगी।

भ्रमलाल राना, इस्लाम नगर।

मैने अपने अब तक के जीवन में कोई ऐसा अध्यापक नही देखा जो बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ साथ भी बहुत कुछ सीखा सके। डा0 सम्पूर्णानंद ने कहा है कि सच्चा अध्यापक वही है जो हमारे आत्मिक ज्ञान को उभार सके जो कि आपमे हैं।

अमित कुमार राजपूत, बिजनौर।

मैनें पहली बार अपके सेमीनार कदम रखा मैं अपनी सच्ची आत्मा से कह रही हूं कि आपने हमें जीने की राह बतायी हैं। ऐसा लगता है कि हमें आज पहली बार अपने जोवन की शुरूआत की हैं।

ममतेश डागर।

आपकी बात एक नवजीवन प्रदान करने की कोशिश करती है और आपसे मिलकर मेरे विचार और भी ज्यादा गहरे हो गये हैं अब मैं यह सोचता हूं कि मेरे पास केवल एक कार ही नहीं होनी चाहिए बल्कि मैं सोचता हूं कि कार के साथ साथ मुझे एक अच्छा ड्राइवर भी होना चाहिए।

बिजेन्द्र कुमार, मुजफ्फरनगर।

मुझे आज अपने आप पर गर्व महसूस हो रहा है कि मैने आप जैसा गुरू प्राप्त किया।

प्रवीन कुमार, मेरठ।

मैने काफी हद तक अपने आप में परिवर्तन महसूस किया है और मैने यहां पर आकर बहुत कुछ पाया भी हैं।

अंकित देशवाल, बागपत।

उनके बारे में कुछ भी कहना सूरज को दिया दिखाने के समान है। उनका मार्ग दर्शन कमजोर से कमजोर छात्र को भी बुद्विमान बना देता हैं।

अनुराज,बी एड दतियाना।

आपके बारे में जितना भी कहूँ उतना ही कम हैं। आप वो कल्म हो जिन्होने मेरी जिंदगी के सूखे पन्ने पर कुछ ही घंटों में वो अक्षर लिख दिये हैं। जिससे मेरी जिंदगी में परिवर्तन हो गया हैं।

रोहित अग्रवाल, बडोत।

आज तो मन को वो शांति मिली है जो दुनिया में कभी मिली ही नही थी।

गौरव कुमार।

आपके लैक्चर को सुनने के बाद मुझे कुछ साहस मिला। मं अपनी पूरी मेहनत से अपनी पढायी करूंगा। जीवन का उद्देश्य प्राप्त करना कठिन तो है लेकिन असम्भव नहीं।

नवेन्द्र कुमार, चांदपुर।

मैंने यहां पर ऐसा महसूस किया है जैसे मैने आज तक महसूस नहीं किया था और मैने यहां से बहुत कुछ सीखा भी हैं और मैं जब भी आप से मिलना चाहूंगा तभी अपनी आंखों को बंद कर लूंगा।

प्रदीप कुमार, मुजफ्फरनगर।

छात्र अपने कार्यों को बहुत कम समय में याद करने लगे, भौतिकवाद के इस युग में छात्रों को आगे बढाने के लिए आप जैसे मार्गप्रदर्शक समय समय पर मिलते रहे तो छात्रों को भविष्य अवश्य ही उज्जवल होगा।

मोहिनी बत्रा, डी0 ए0वी0पब्लिक स्कूल।

आपसे मिलने के बाद मैं अपने आप को बहुत ही अच्छा महसूस कर रहा हूं। आज तक मैने आप जैसा सर कही भी नही देखा।

शिमराज अजमेरिया।

आपकी वर्कशाप करने के बाद मैने अपने आप को बहुत भाग्यशाली व्यक्ति माना हैं। क्योंकि मैं ईश्वर को मानता हूँ उसने मुझे ऐसा सौभाग्य दिया और आज मैं बहुत बडी सोच रखता हूँ।

देवेन्द्र सोलंकी, बागपत।

मैने आज जिंदगी में ऐसा पहला सेमिनार अटैन्ड किया है आज का सेमिनार करने से मेरी पूरी जिंदगी ही बदल गयी हैं मै चाहता हूं कि आप दोबारा जल्दी ही हमारे शहर में आये ताकि हम कहीं बीच में भटक न जाये।

विकास तोमर, बागपत।

आज से पहले कभी भी मैने ऐसी क्लास नहीं दी क्लास में पहले लगता था कि मैं बी.फार्मा नहीं कर पाऊंगी फिर आपकी बाते सुनकर महसूस किया कि कुछ भी असम्भव नहीं है मै सर को और मैनेजमेन्ट को शुक्रिया करती हूं।

नजीस खानम, मुजफ्फरनगर।

मैं अपना यह एहसास शब्दों में बयान नही कर सकता हूँ।

खिवेन्द्र सिंह, बिजनौर।

आपने आज मेंरे अंदर के छिपे इंसान को बाहर निकाला हैं।

प्रतीक्षा, बडौत।

मेरा भाग्य जो मैं यहां आयी और मुझे अंदर की आत्मा से शान्ति मिली। जीने का तरीका मिल गया।

कनिका कर्णवाल, मु0नगर।

आपकी बाडी लैगवेज के मार्क्स 100ः क्रियेटिब, भाषा का चयन बहुत सटीक हैं। एक भारतीय मोटीवेटर बनकर विश्व में नाम करेंगें।

शैलेन्द्र, बिजनौर।

आप पढाते समय किसी कहानी पर ले जाकर उस बात की भूमिका को बताते है जिससे पढाई के साथ साथ भौतिक अवस्था का भी पता चलता हैं। जो जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

मोहित कुमार, बिजनौर।

आपसे मिलकर जिंदगी को एक मकसद मिल गया हैं।

सुनीत कुमार, सहारनपुर।

आपका पढाना हमारे लिए सागर के उस मोती के समान है जिसे पाने की चाह सदैव बढती जाती हैं।

प्रीति राठी,।

इस लेक्चर से मुझे बी0टैक करने की अच्छी उत्सुकता को महसूस कराया हैं।

दिलबाग सिंह, नजीबाबाद।

मेरे पास आपकी तारीफ के बारे में कोई अक्षर नही है।

धनीलाल शाह, जानसठ।

मुझे यहां आकर बहुत ही अच्छा लगा मैंने आज तक ऐसा पहल कभी भी नहीं देखा।

वैभव गुप्ता, मुजफ्फरनगर।

इस वर्कशाप के द्वारा मुझे अत्यधिक लाभ की प्राप्ति हुई हैं। इस वर्कशाप के द्वारा मेरे मस्तिष्क की संग्रहण क्षमता बहुत

अधिक हुई हैं। जिससे मैं बहुत सी चीजों के नाम और बहुत कुछ थोड़े ही समय में याद कर सकता हूं।

रमन कुमार, बिजनौर।

अपनी जिंदगी में पहली बार एक ऐसे अध्यापक से मिला जिसने मुझे जीना सिखा दिया, मैं बहुत उदास और नकारात्मक सोच का विद्यार्थी था लेकिन आपकी आवाज और आपके पढाने के तरीके और कक्षा में दिये गये उपदेशों सें भी मैं आज बहुत अच्छा अनुभव कर रहा हूं और आपको अपना आदर्श मानने लगा हूं। आपमें ना जाने कैसा जादू है जो मुझे आपकी आवाज और आपके सिद्वान्तों पर चलने के लिए प्रेरित करता हैं।

''हर चाहतें पूरी नहीं होती।
हर मंजिले अधूंरी नहीं होती।
जिसे मिल जाये आपका साथ।
उसकी किस्मत कभी अधूंरी नहीं होती।''

पुष्पेन्द्र कुमार, रेनकोट, सोनभद्र।

मुझे आपका कार्यक्रम देखकर बहुत अच्छा लगा जैसे कि मेरा नया जीवन शुरू हो गया हो।

भरत चौधरी।

आप हमें धुंध में एक रोशनी की किरन नजर आये।

रजनीश सकलानी, उत्तरांचल।

ऐसा लगा जैसे कि आज मैने दोबारा जन्म लिया हो।

शिल्पी अग्रवाल, मुजफ्फरनगर।

मैने आप जैसा गुरू अभी तक नहीं पाया क्योंकि हर अध्यापक में वे गुण नहीं होते जो आपमें विद्यमान हैं।

पुष्पेन्द्र कुमार मलहोत्रा, बिजनौर।

प्रस्तुत करने का ढंग सीखना, और आपने अपने विचारों को अपने सागर रूपी ज्ञान से निकाल कर कुछ ज्ञान की बूद्व हमारे प्यासे होठों तक पहुचायी हैं। और आप मेरे आदर्श हैं।

नजर मौहम्मद, मुजफ्फरनगर।

ये वर्कशाप एक वरदान है।

भावना, मुजफ्फरनगर।

मैं आज छात्र की अवस्था में न होकर सिर्फ 48 वर्ष की उम्र में आपसे कुछ सीखने के लिये ही आया था लेकिन आने वाले समय में मुझें बहुत कुछ पाने में सफलता मिलेगी यह मेरा पूरा विश्वास आपकी वजह से ही संभव हो पाया हैं।

देवेन्द्र कुमार जैन, बागपत।

जब तक मैने आपकी कक्षा नही की थी तब तक मैं कुछ भी नही जानता था पर जब से आपकी कक्षा की हैं मैंने अपने सभी बुरे कामों को छोड़ दिया हैं और अब मुझे पुरा विश्वास है कि मैं अपने लक्ष्य को पाकर ही रहूंगा।

अंकित कुमार, मुजफ्फरनगर।

इस वर्कशाप के बाद मैंने अपने गुस्से को बहुत ही कम किया हैं।

रूबी वर्मा।

मैने जो इस सेमिनार में पाया हैं वह मैंने ना किसी किताब में और न ही किसी से ऐसी सीख पायी हैं।

अवनीश कुमार, सहारनपुर।

मैने आज अपने आपकों आपके ही द्वारा पहचान पाया हूं । मैं आपकी बहुत ही आभारी हूं कि आपके द्वारा मैंने अपने आप को और अपने लक्ष्य को पहचाना और मैं उसे पाकर ही रहूंगां।

प्रशान्त भटनागर, चांदपुर।

मैं जिंदगी में ऐसी टीचिंग कही से भी नही ले पाया जो मुझे आपके द्वारा प्राप्त हुई हैं।

दिनेश कुमार, मुजफ्फरनगर।

आज जीवन में एक नयी कड़ी भी जुड गयी है जीवन में जो कुछ भी सीखा उसे एक नई दिशा मिल गयी हैं।

शिव कुमार सैनी, मुजफ्फरनगर।

आज मुझे जो चीज मिली है मैं उसे शब्दों में ब्यान नही कर सकता या ये कहिये कि उस अनुभव के लिए शब्द ही नही है ये सब जिनकी वजह से सम्भव हो पाया मैं उन्हे दिल से दुआ देता हूं। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के उपदेश

दिये उस समय जो अर्जुन ने अनुभव था वह आज मैंने महसूस किया है।

भीमसेन एम बी ए ।

आप एक ऐसे सज्जन है जो हमारी जिंदगी में पहली बार आये हैं। मैंने अपने बीते समय में कई वक्ता और अध्यापक देखे है। लेकिन आप में खास बात है जो पहली बार दखने को मिली।

धर्मेन्द्र कुमार धीमान, एच0एल0एल0

आपकी आवाज में एक जादू है जो आपकी आवाज सुनता है वो आपकी ओर खिचा चला आता है और इससे ज्यादा आपके बारे में क्या कहूं मेरे पास कुछ शब्द ही नहीं है।

सूरज मलिक।

हिन्दुस्तान में फूल तो बहुत हैं।
मगर हमें गुलाब ही पसन्द हैं।
हिन्दुस्तान में अध्यापक तो बहुत हैं।
मगर हमे रमन सर ही पसन्द हैं।

आलोक कुमार।

आपने मेरे अंदर एक इच्छा शक्ति का विकास किया है और इतना मजबूत बनाया है कि मैं अपना हाथ हवा में बिना हिलाए रख सकू । और यदि मैं आपसे नही मिला होता तो

मैं अपने आप को बहुत ही अधूरा महसूस करता और अब मेरे बुरें दिन चले गये हैं।

अंकित मलिक, मुजफ्फरगनर।

जिदंगी मेरी दिशाविहीन थी□

आप ही मिले गुरूवर,

जिसने मेरे जीवन को एक मोड़ दिया।

एक परिवर्तन सा आया,

जीवन मेरा महक उठा।

नींव नहीं थी मेरे पास,

जिसमें दिखाई आपने आस।

आपने हमारे जीवन में,

मधुरस भर दिया।

जिंदगी जीने का,

निचोड़ दिया।

ईश्वर न देखा था,

आज देख लिया।

जिसने मरे जीवन में,

उत्साह का संचार किया।

हर कोई माली पेड़ में,

देता है पानी।

गुरूवर आपने मेरी,

जिंदगी बदल डाली।

गुरूवर आपके चरणों में,

मेरा कोटि–कोटि नमन।

हर बालक को मिल,

यह मेरी है इच्छा।

आप सदा देते रहें,

हमें जिंदगी की शिक्षा।

मैं हूँ पढने वाला आपका बालक,

पाठक

जिंदगी में बिखेरू नवरंग सबकी जिंदगी में

नाम है – दिनेश

आपको अग्रेंजी के अलावा शुद्व हिन्दी का भी अच्छी तरह से ज्ञान हैं।

ललित कुमार मलिक, शामली।

आप ईश्वर के समान हैं।

रामकिशन

आपके मुंह से निकला हुआ एक एक शब्द मुझे जीने का नया मकसद प्रदान करता हैं।

कपिल देव शर्मा, बिजनौर।

मै आप से अंत्यंत प्रभावित हूँ आप हमें जो व्यवहारिक शिक्षा देते हैं। आज तक हमने इस तरह की शिक्षा नहीं प्राप्त की हैं आप की शिक्षा से हमारा आध्यत्मिक, बौद्विक, व मानसिक विकास हो रहा हैं। आज तक आपने ही हमें सही दिखा में ले जाने का प्रयास किया चाहता हूँ कि आप जैसा गुरू हमें सदैव मिलता रहें।

पंतजली सैनी, मुजफ्फरनगर।

मैने आज तक आप जैसे कोई गुरू जी नहीं देखे।

गोपाल शर्मा, बिजनौर।

मैने अपने 19 वर्ष की आयु में आप से बढिया आदमी और शिक्षक नहीं देखा भगवान ने आपको मेरा सगा भाई क्यों नहीं बनाया।

संदीप कुमार सिंह, बी0टैक, जौनपुर।

मैने इस क्लास के बाद अपने अंदर आत्म विश्वास को पाया हैं। आपके पढाने का तरीका बहुत ही अच्छा हैं।

मनोज कुमार, बी0फार्मा, सुल्तानपुर।

आपका मार्गदर्शन हमारे जीवन के लिए हमें बहुत लाभकारी सिद्व हो रहा हैं।

सीताराम।

इस वर्कशाप के द्वारा मुझे एक महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हुआ हैं मेरे मस्तिष्क में याद करने की क्षमता पहले से अधिक हो गयी है। इसे एक प्रकार का वरदान भी कहा जा सकता है। पहले तथा अब याद करने में बहुत अंतर है। पहले से अपने गणित, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान के महत्वपूर्ण सूत्र कुछ देर में याद होते थे। परन्तु अब मस्तिष्क के द्वारा यह अब सरलता पूर्वक याद हो जाता है। मैं इसके लिए डा0रमन जी का बहुत ही आभारी हूं।

राहुल शर्मा।

वास्तव में आज इस मीटिंग मे मुझे वो मिला जिसके लिये मैं कुछ खर्च भी करता तब भी शायद नही मिल पाता। ऐसी कितनी बाते सुनने को जिन पर अमल किया जाये तो किसी भी व्यक्ति की किस्मत बदल सकती हैं।

अनुज गौतम, मुजफ्फरनगर।

मैं पहले में और आज में बहुत ज्यादा फर्क महसूस कर रहा हूँ। यहां आकर लगने लगा है कि अब संसार में कोई भी काम मेरे लिये भारी नही हैं। और मैं आपका इतना आभारी हूं और मैं आपका फैन बन चुका हूँ।मैंने आपकी दी हुई वर्कशॉप से बी टेक में 74: तथा कैट में 99.17: तक अंक प्राप्त किये हैं

मोहित शर्मा, बी0टैक।

आंखों से देखने से पहले मस्तिष्क से देखना चाहिए। उत्तम समय की उत्तम गुणवता को पहचाना। आपकी शिक्षा का अर्थ विचारों से अच्छा कार्य को करना हैं।

मुरारी लाल।

भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता के उपदेश दिये उस समय जो अर्जुन ने अनुभव किया वही आज मैं अनुभव कर रहा हूं।

भीमसेन।

मैं छोटा सा प्ले स्कूल चलाती हूं। मेरे पास शब्द नही है सर मेरा मन तो है कि आप जी0सी0एम0प्ले स्कूल में भी दस मिनट का टाइम दें।

टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववक
टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववकए टण्ळववक

पेज कम पड़ जायेगा।

शिवानी जैन, बडौत (पंजाब केसरी)।

यहॉ आने से पहले बहुत कुछ ऐसी बाते थी जिनका हमें ज्ञान नही था यहां आने पर हमें अपने जीवन को सही दिशा देने व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिससे हम अपने जीवनशैली में सुधार करेंगे।

धर्मेन्द्र कुमार, भोकरहेडी।

मैं अपने आप को बहुत ही खुशनसीब समझता हूॅं कि आपने मुझे पढाया हैं।

दिलीप कुमार शुक्ला, बी0टैक।

मै हमेशा यह चाहूंगा कि आप मेरे गुरू बनके मेरे साथ रहें।

मंयक सिसोदिया।

आपका पढाया हुआ मुझ पर जादू की तरह असर करता हैं।

मुकेश कुमार सिंह, बी0टैक, आजमगढ।

मेरे पास नौ बजे से पांच बजे तक कक्षा करने के बाद अचानक सर आपकी कक्षा लगी मुझे दो पल में ही यहां अपना सा लगने लगा और ऐसा लगा कि हो सकता है इतने अच्छे संस्कार, हौसला लेने के लिए ही मैं यहां आयी हूं। और मुझे इतने अच्छे सर का सहयोग एवं उत्साह तो मिलेगा तो फिर मैं अपने आप को इतना अकेला क्यो समझती हूं सर आप अपना आर्शीवाद हमेशा देते रहियेगा।

अलका रानी, बी0टैक, बिहार।

आप वास्तव में भारत रत्न के अधिकारी और आपको एक दिन मिलेगा भारत रत्न आज हमारे देश भारत को ऐसे युवाओं की अति आवश्यकता है जो राष्ट्र निर्माण में सहायक हो।

उमेश कुमार।

आपकी आयु लम्बी हो क्योकि आप पता नही कितने लोगों को भविष्य सुधारेंगे।

सरोजनी अग्रवाल, रूडकी।

मै पहले से अपने आपकों को एक नये इंसान व एक नयी जिंदगी महसूस कर रही हूं।

दीपा पँवार, बागपत।

मैने यहां आने के बाद अपने आपको बहुत मजबूत महसूस किया।

आकाश आर्य, बडौत।

आपने वास्तव में जीने का अंदाज दिखाया है।

सविता स्वामी, बागपत।

अब मै बहुत पढुँगी और एक दिन बहुत बडी बनूँगी सर आपका धन्यवाद।

शीशादरी वत्स, बागपत।

मुझे तो आप एक समुद्र के समान लगते है, जिसमें सभी चीजो की जानकारी होती है चाहे वह मनोविज्ञानिक हो चिकित्सक हो, अध्यापक हो और चाहे भगवान ही हो आप मन आदि सभी को बडी अच्छी तरह से जानते हैं जो थोडे में बहुत ज्यादा देखते हैं। आपका स्लोगन ''हमारा दावा और वादा'' बहुत कुछ सोखने की प्रेरणा देता हैं।

प्रियंका जैन, बडौत।

मैं भी बडा होकर आप ही जैसे बोलने और समाज में रहने का तरीका सीखना चाहता हूं। मेरी सोच में अब तक के

सबसे अच्छे अध्यापक मैं आपको अपना आदर्श बनाना चाहता हूं।

रविन्द्र कुमार।

मै अपने आपको काफी भाग्यशाली समझती हूं क्योंकि यहा आकर बहुत कुछ सीखने को मिला।

साक्षी जैन, बागपत।

आज से मुझे अपना लक्ष्य मिल गया हैं ।

शिवानी पॅवार।

मैं आपको पहले दिन से ही अपना गुरू मान चुका हूं।

तपन कुमार, बिजनौर।

आपको केवल किताबी जानकारी ही नही बल्कि क्षेत्रों से सम्बन्धित जानकारी भी बहुत ही अच्छी तरह से हैं।

विनय कुमार, बी0टैक, सन्तकबीर नगर।

आपने जो कुछ भी बताया है वह हमारे जीवन में हर जगह काम आयेगा।

संदीप कुमार यादव, बी0टैक, इटावा।

आपका प्रत्येक बात को सही तरह से स्पष्ट करने का तरीका भी अत्यधिक प्रभावपूर्ण है। मैं चाहती हूं कि आप सदैव मुझे प्रोत्साहित करते रहे।

सीमा रानी, बी0एड, खतौली।

आपके प्रोग्राम में आकर मेरे मन में आया अगर जिंदगी में कुछ करना हैं। तो अपने मन की मत सोचो बल्कि उस काम को अपनी मुढठी में बंद करके करो।

श्रेया मलिक, बडौत।

मेरे मन को काफी शान्ति मिली।

दिप्ती जैन, बडौत।

आज मैने जो कुछ भी देखा व सुना वह मैने अपने जीवन में पहले कभी न देखा और न ही सुना।

सहारनपुर। जोगेन्द्र कुमार सैनी,

वास्तव में आज मैने कुछ करने की मन में ठानी है जिसे आजीवन निर्वाह करना हैं।

सम्पूर्णानंद चर्तुवेदी।

हम रमन जी को बार बार सुनना चाहते हैं। डा0 रमन जी से हमारी प्रार्थना है कि रूड़की आये और अभी हम आपसे बहुत कुछ सीखना चाहते हैं।

सरोजनी अग्रवाल

आपके विचारों से मेरी जिंदगी का लक्ष्य सफल हो गया यदि आज मैं यहां नही आता तो मैं अपनी जिंदगी में कभी सफल नहीं हो पाता।

विकास कुमार कश्यप, बडौत।

आपसे मिलने से पहले लग रहा था मैं एक बहुत ही गलत जिंदगी जी रही थी जैसे कि कोई मकसद ही नहीं था लेकिन आज जो मैने सपना देखा है वो मैं जरूर पूरा करूंगी।

शीला सैनी, मुजफ्फरनगर।

आपका लेक्चर देने के बाद हमारे अंदर काफी बदलाव आये हैं।

शिल्पी गोयल।

आपने मुझे अहसास दिलाया कि मुझे क्या करना चाहिए और मेरा क्या लक्ष्य हैं।

अंकित तायल।

आपने मेरे अंदर एक अतिरिक्त इच्छा शक्ति का विकास किया प्ज पे पउचवेपइसम वित उमष कि मैं अपना हाथ हवा में बिना हिलाए रख सकूं। यदि मैं उनसे ना मिला होता तो मैं अपने आपको अधूरा महसूस करता और मैं कभी भी अपने आप को नही जान पाता।

अंकित मलिक।

डा0 साहब आपसे मिलकर कुछ पाने की लक्ष्य की ऊंचाई को छूने की जो प्रेरणा मिली उसको शब्दों में लिखना असम्भव है दूसरों के लिए त्याग मन को वश करने की युक्तियां मिली आपसे हमेशा कुछ नया करने की शिक्षा मिली।

मिथलेश गुप्ता, महालक्ष्मी एनक्लेव, मुजफ्फरनगर।

यदि हम ये कहें कि आप हमारा जिंदगी का ट्रनिंग पाइंट है तो कोई अतिशयोक्ति नही होगी।

हरिओम गौतम, मुजफ्फरनगर।

जो आपने पढाया है वो लाजवाब है आपके पढाने का स्टाइल सबसे जुदा है और आपका ये विद्यार्थी आप पर फिदा हैं।

विजय शुक्ला, गोन्डा।

पहली बार कोई टीचर हमें ऐसा ज्ञान दे रहा है जो हमें शायद अपने ही एक्सपीरियंस से प्राप्त होता या शायद नहीं भी होता। प्ज पे दिजेंजपब बसैण मुझे लगता है कि मैं भी बदल सकती हूं और मुझमें बहुत सारी कमियां है जो मुझे बदल सकती हैं इस लेक्चर के बाद।

नेहा शुक्ला, एम0बी0ए0।

आपका पढाया हुआ लेक्चर काफी हद तक उसी समय तैयार हो जाता है और आपके लेक्चर से हमें एक नयी दिशा मिलती हैं।

शिवशंकर प्रजापति, इलाहाबाद।

आप हमेशा बच्चों को ऐसा ज्ञान देते हैं जो उनको आगे बढने में काम आता हैं।

पीयूष चौधरी, बिजनौर।

आप का तरीका पढाते समय बच्चों को इनजॉय कराना बहुत ही अच्छा है और आप सभी छात्रों को भविष्य के बारे में अच्छी अच्छी बाते बताते हैं।

प्रदीप कुमार, मुजफ्फरनगर।

बहुत से लेक्चरों में मुझे नींद आ जाती है लेकिन आपके लेक्चर में मुझे कभी भी नींद नहीं आती ह क्योकि आपके पढाने का तरीका ही कुछ अलग हैं।

हेमंत सिसोदिया,

जब मैं आया था तो मुझे पढाई के बारे में बहुत ही चिंताग्रस्त था लेकिन आपका लेक्चर देने के बाद मुझे बहुत हद तक अपनी परेशानियों का समाधान मिला हैं।

केतन यादव, बी0टैक, कांसगंज।

हमें जिंदगी जीने का ढंग सिखाते है वे हमें सिखाते है कि हमे कैसे बात करनी चाहिए और कैसे बोलना चाहिए।

अंकित दीक्षित, बागपत।

आपके पढाने का अंदाज सबसे अलग है जिसे हम लोग बहुंत ही पंसन्द करते हैं। हमें आपके लेक्चर का बेसब्री से इंतजार रहता है और इसलिए हमें ज्यादा दिन तक याद रहता हैं।

आशीष कुमार शुक्ला, जौनपुर।

आप पढाते ही नही बल्कि अपनी बात को सिद्व भी करते हो आप सच में ही एक उच्चतम श्रेणी के व्यक्ति हो।

दीपक कुमार त्यागी, बी0टैक, बिजनौर।

आपसे मिलकर मुझे यह पता चला कि जीवन मे केवल पढाई ही नही सब कुछ है बल्कि अपने आप को प्रदर्शित करना भी एक कला हैं। आप सच में एक असमान्य ज्ञान के भण्डार वाले व्यक्ति हो।

केशव दत्त शर्मा, बी0टैक, मुजफ्फरनगर।

आप मुझे बहुत अच्छे लगे आपने हमे अच्छे बनने के गुण सिखाये जो किसी टानिक आदि से प्राप्त नहीं हो सकते आप ही मेरे लिए एक टॉनिक के समान बने। मुझे बहुत अच्छा लगा आपको मैं हमेशा याद करता रहूँगा।

मोहित सैनी, बडौत।

आप की कक्षा देकर हमने अपने अंदर काफी बदलाव महसूस किया हैं

पंकज कुमार।

आपकी बतायी हुई यु टी एस मैड एक्सरसाइज से मुझे अग्रेंजी में बहुत फायदा मिला हैं।

पवन कुमार, हाथरस।

मेरा दिल बार बार आपसे मिलने को करता हैं। मैं ये चाहता हूं कि आप मेरे पास रहे।

अंकित तोमर, बागपत।

पहले सोचा आपका सेमिनार बेकार होगा लेकिन जब अटैन्ड किया तो वह बहुत ही अच्छा था।

ज्योति।

मैने आज तक आपके सभी बोलने का तरीका, पढाने का ढग देखा जो कुछ अलग ही हैं, आप की हर बात में कुछ न कुछ सीखने को मिलता हैं। आप सच में ही एक महान और एक अच्छे लेखक भी हैं।

नीलेश कुमार वर्मा, हरदोई।

यदि मेरे से आपको अंक देने के लिए कहा जाये तो मैं आपको पूरे मार्क्स दूंगा ।

विशाल सिंह राना, बिजनौर।

आपके पढाने व समझाने का तरीका अन्य सभी टीचरों से अलग हैं और आप से अच्छा शिक्षक हमें कही मिल ही नही सकता हैं।

सतेन्द्र कुमार, सहारनपुर।

आपका मार्गदर्शन हमारे जीवन के लिये बहुत उपयोगी हैं।

गजेन्द्र सिंह।

आपके विचारों से हम बहुत ही प्रभावित हुये हैं और हमें अपने जीवन में भी काफी सुधार मिला हैं।

विनय कुमार जैंन।

इस वर्कशाप से मुझे और मेरे मस्तिष्क को काफी लाभ प्राप्त हुआ हैं यदि यह वर्कशाप पुनः हो तो मैं जरूर आऊंगी।

ऋचा राजपूत

आज जो मैने सुना कभी आज तक इतना अच्छा प्रोग्राम न सुना और ना देखा, और मैं हार्दिक दिल से अपने ग्रेट लीडर आपको अभिनन्दन करता हूं।

सुनील तोमर, मुजफ्फरनगर।

जिस तरह से आप पढाते हैं तो मुझे नही लगता कि शायद ही कोई अध्यापक इस ढंग से पढा सके। आपका सहयोग व मार्गदर्शक पाकर ही मैं अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता हूं। आपमें अपनी जो विद्वानता है वो सभी को बॉट दे। ताकि सभी मेरे भाई व बहिन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

हरवंश सिंह, बी0टैक, अफजलगढ, बिजनौर।

मैं आज ही से अपनी सारी बुराईयो को छोडने को वचन लेता हूं और आज से ही झूठ बोलने को वादा भी करता हूं।

मुकुल।

आपने हमारी हिम्मत बढायी और हमें भटकने से बचाया। आप हमारे जीवन में काम आने वाली ऐसी जरूरी बाते बताते हैं जो अभी तक किसी ने नहीं बतायी।

जयप्रकाश, मुजफ्फरनगर।

आपके पढाने का तरीका बहुत ही अच्छा है उसमें यह कहने की आवश्यकता ही नहीं होती है कि हमें यह दोबारा समझना हैं।

नीतू चौधरी, बी0फार्मा, बिजनौर।

आपने हमें जीवन की महत्वपूर्ण अवस्थाओं के बारे में बताया है जिसका ज्ञान हमें पहले नहीं था।

अंशु चौधरी, बिजनौर।

आज तक मैने आप जैसा अध्यापक नहीं देखा।

ललित कुमार मलिक।

आपने हम सभी के दिल में अपनी एक अलग ही जगह बना ली हैं।

वैभव कुमार जैन।

पहले मुझे अध्यापकों का पढाया हुआ समझ में नही आ पाता था लेकिन मैने जब आपका लेक्चर दिया तो सच में आप विश्वास नहीं कर पायेंगे कि मुझे उसमें कुछ भी दोबारा पुछने की आवश्यकता ही महसूस नहीं हुई।

नितिन कुमार, बी0टैक, बागपत।

हम आपका धन्यवाद किन शब्दों में करे मान्यवर हम आपको आपके उच्च विचारों के साथ बार बार अपनी कक्षा में चाहते हैं।

वीरेन्द्र सिंह, हरिद्वार।

जब मैने पहली बार आपकी कक्षा की तो मेरे अंदर एक गजब का आत्म विश्वास भर उठा जिसे मैं शब्दों से व्यक्त नहीं कर सकता।

अनुराग श्रीवास्तव, बस्ती।

आप पहले ऐसे सर है जो अपने विद्यार्थी को एक मित्र की भांति शिक्षा देने का पूरापूरा प्रयास करते हैं।

सुनील कुमार, मुजफ्फरनगर।

आपके लेक्चर के बाद अपने अंदर आत्मविश्वास और उत्साह सा महसूस होता हैं।

मुकेश कुमार मौर्य।

आपके पढाने और समझाने के अंदाज को देखकर मुझे आप के जैसा बनने की चाह होती हैं।

राहुल चौहान, सहारनपुर।

आज आपकी वर्कशाप में मेरा पहला दिन था और मेरी प्रभु से यही इच्छा है कि दुनिया के हर विद्यार्थी को आपकी वर्कशाप का ज्ञान मिले।

विकास पुण्डीर, बी0सी0ए0।

यदि मुझे कभी पढाने का मौका मिला तो मैं आपकी तरह ही पढाना चाहूंगा।

राकेश कुमार दुबे, उत्तरांचल।

आपकी बतायी हुयी रमन टेबल से मुझे टैन्स का सम्पूर्ण ज्ञान अच्छी तरीके से हो गया।

अरविन्द कुमार यादव, इलाहाबाद।

आपका प्रोग्राम काफी अच्छा था, प्रेरणा देने वाला था व्यक्ति को आगे बढने के लिये प्रोहत्साहित करने वाला था, बहुत अच्छा और मजेदार था।

योगेश चन्द्र, बडोत।

जब मैने आपका लेक्चर सुना तो काफी नॉलिज मिली और आप काफ अच्छे टीचर हैं।

अंसार अहमद, गाजियाबाद।

मैं आपको एक आदर्श अध्यापक मानता हूं और मैंने अब तक की जिंदगी में आप जैसा इंसान नहीं देखा है क्योकि आपको अपने पर घमण्ड नहीं हैं।

विजय त्रिवारी।

मुझे आप जैसा विचार वाला अध्यापक नहीं मिला यह मेरा सौभाग्य है कि मेरी आपसे मुलाकात हुई हैं।

प्रदीप कुमार सिंह।

आप हमें कुछ इस तरह से पढाते हैं कि हमको आपके लेक्चर से ही समझ में आ जाता है और याद भी हो जाता हैं।

शाजिद हसन।

सभी मित्र मुझसे यह कहते हैं कि मै अपने लक्ष्य से भटक रही हूं लेकिन आपकी वर्कशाप अटैन्ड करने के बाद मेरे अंदर बहुत ही आत्मविश्वास आ गया हैं और आपसे मिलकर हमें बहुत ही अच्छा महसूस देता हैं।

अमिषा अग्रवाल, बी0बी0ए0।

अब मैं हूं समय की कीमत को समझने लगा और मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि आगे मैं अपने सभी कार्यो को समय पर करूंगा और यह सभी आपकी वजह से ही संभव हो पाया हैं।

अंकित तायल।

यहां आने से पहले मैं यह सोचता था कि मैं कभी भी अपने सवालों के जवाबों को नही जान पाऊंगा लेकिन आप से मिलकर मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि मुझे अपने सवालों के जवाब मिलने लगे हैं। जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

विनीत कुमार गोयल।

हमें आप से मिलने का अवसर मिला जिससे हमें बहुत कुछ सिखाया हैं अगर आप नही सिखाते तो शायद हम ये सब बाते नहीं सिख पातं।

अरूण कुमार।

वैसे तो उनकी जितनी तारीफ की जाए वो कम ही हैं, इन्हें व्यक्त करने के लिए शब्द नही हैं, वास्तव में वो एक सुपर

मैमोरी मैंन हैं। जिन्हें कोई भी चीज सिर्फ देखने मात्र से याद हो जाती हैं, जिन्हे ये याद हो कि कौन सी बुक के कौन से पेज पर कौन सा शब्द कहां हैं, जिन्हें 300 साल का कैलेण्डर याद हो, जिन्हें पूरी डिक्शनरी याद है और भी बहुत कुछ ऐसा है जो इन्हे याद हैं, मतलब इनकी मैमोरी का कोई तोड़ नहीं, मेरा मानना है कि जिन लोगों ने ये वर्कशाप नहीं की उन सभी ने एक सुनहरा अवसर छोड़ दिया, हम लाग अकसर इतिहास की तिथियां, गणित के सूत्र रसायन विज्ञान आदि की समीकरणें भूल जाते है और याद करने के लिए फिर दिमाग पर काफी जोर डालते हैं तब कहीं जाकर याद होता हैं, किन्तु डमउवतल ॅवतोवच ।जजमदमक करने के बाद आपको ऐसा कुछ नहीं करना पडेगा वास्तव में ये एक जादू हैं क्योकि इसमें सिर्फ विज्ञान, गणित और इतिहास ही नहीं बल्कि सभी विषयों को याद करने की बहुत सरल तकनीक बतायी गयी जैसे : किसी चित्र को हम कैसे याद कर सकते हैं, कवियों के नाम, फोन न0. किसी व्यक्ति की फार्म आदि यहां तक की परीक्षा में तैयारी करने की विधियां भी बतायी गयी मैं इस वर्कशाप करके बहुत प्रभावित हुई अब मैं किसी भी चीज को आसानी से याद कर सकती हूं। जिसे मैं बार बार रटने पर भी भूल जाती थी अब वो सब मुझे बहुत आसानी से याद हो जाता हैं। और अब मैं आप और आप सभी को धन्यवाद

कहना चाहूंगी जिन्होंने बिजनौर शहर में डमउवतल ॅवतींवच का आयोजन किया और सभी कॉलेजो और विद्यालयों में जाकर बच्चों को प्रेरित किया।

गीताजंली मैथाणी।

आपके द्वारा करायी गयी आइडियल इनकोपोरेशन ऑफ ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैन्ट के छात्रो पर सफल प्रभाव देखा मुझे इस वर्कशाप से बहुत फायदा हुआ है इससे हमे जीवन में जीने का तरीका मिला है। अब मैं धीरे धीरे अपना माइंड पढायी की तरफ लगाने में लगी हुई हूं। अब मुझे यह जादू आ गया है जिससे हर काम मैं जल्दी से कर पाती हूं। ऐसी बात बतायी जिसके बाद मुझे गुस्सा आना कम हो गया। मेरे पास ऐसे शब्द नहीं है जिससे मैं बता पाऊं कि मुझे कितना फायदा हुआ हैं इसलिए मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहूंगी।

प्राची।

उनके बारे में कुछ भी कहना सूरज को दिया जलाने के समान है। उनका मार्ग दर्शन कमजोर से कमजोर छात्र को भी बुद्विमान बना देता हैं।

श्शाखा प्रबन्धक अनुराज, दतियाना।

आज तो मन की वो शांति मिली है जो दुनिया में कभी मिली ही नही थी।

गौरव कुमार।

आपके लैक्चर को सुनने के बाद मुझे कुछ साहस मिला। मैं अपनी पूरी मेहनत से अपनी पढायी करूंगा। जीवन का उद्देश्य प्राप्त करना कठिन तो है लेकिन असम्भव नहीं।

नवेन्द्र कुमार, चांदपुर।

मैंने यहां पर ऐसा महसूस किया है जैसे मैना आज तक महसूस नहीं किया था और मैने यहां से बहुत कुछ सीखा भी हैं और मैं जब भी आप से मिलना चाहूंगा तभी अपनी आंखों को बंद कर लूंगा।

प्रदीप कुमार, मुजफ्फरनगर।

आपसे मिलने के बाद मैं अपने आप को बहुत ही अच्छा महसूस कर रहा हूं। आज तक मैने आप जैसा सर कही भी नही देखा।

शिवराज

आपकी की वर्कशाप करने के बाद मैने अपने आप को बहुत भाग्यशाली व्यक्ति माना हैं। क्योंकि मैं ईश्वर को मानता हूं उसने मुझे ऐसा सौभाग्य दिया और आज मैं बहुत बडो सोच रखता हूं।

देवेन्द्र सोलंकी, बागपत।

मुझे यहां बहुत अच्छा लगा मैंने आज तक पहले कभी नहीं देखा।

वैभव गुप्ता, मुजफ्फरनगर।

इस वर्कशाप के द्वारा मुझे अत्यधिक लाभ की प्राप्ति हुई हैं। इस वर्कशाप के द्वारा मेरे मस्तिष्क की संग्रहण क्षमता बहुत अधिक हुई हैं। जिसस मैं बहुत सी चीजों के नाम और बहुत कुछ थोड़े ही समय में याद कर सकता हूं।

रमन कुमार, बिजनौर।

अपनी जिंदगी में पहली बार एक ऐसे अध्यापक से मिला जिसने मुझे जोना सिखा दिया, मैं बहुत उदास और नकारात्मक सोच का विद्यार्थी था लेकिन आपकी आवाज और आपके पढान के तरीके और कक्षा में दिये गये उपदेशों सें भी मैं आज बहुत अच्छा अनुभव कर रहा हूं और आपको अपना आदर्श मानने लगा हूं। आपमें ना जाने कैसा जादू है जो मुझे आपकी आवज और आपके सिद्वान्तों पर चलने के लिए प्रेरित करता हैं।

''हर चाहते पूरी नहीं होती।
हर मंजिले अधूंरी नहीं होती।
जिसे मिल जाये आपका साथ।
उसकी किस्मत कभी अधूंरी नहीं होती।''

पुष्पेन्द्र कुमार, रेनकोट, सोनभद्र।

मुझे आपका कार्यक्रम देखकर बहुत अच्छा लगा जैसे कि मेरा जीवन शुरू हो गया हो।

भरत चौधरी।

मैने आप जैसा गुरू अभी तक नहीं पाया क्योंकि हर अध्यापक में वे गुण नहीं होते जो आपमें विद्यमान हैं।

पुष्पेन्द्र कुमार मलहोत्रा, बिजनौर।

मैं जिंदगी में ऐसी एडवाईज, टीचिंग कही से भी नही ले पाया जो मुझे आपके द्वारा प्राप्त हुई हैं।

दिनेश कुमार, मुजफ्फरनगर।

आप ऐसा पढातें हो कि कम बुद्धिमान बन जाता है मैने आपसे आज बहुत कुछ सीखा आपने आज जो भी बाते कही मैने उन्हे अपने दिमाग में उतार लिया है।

विपुल कुमार बी फार्म

अंजु रानी;बिजानौरद्ध

इस क्लास के करने के बाद हमारे अन्दर आत्म विस्वास बढ गया है और यह एक अच्छे विचार है। ीम पे ं इमेज जमंबीमत ंदक पदजमससपहमदज ीनउंदण

फैजान एहमद बी फार्म

मैं आपकी कक्षा लेने से पहले मेहनत कम करता था और ज्यादा पाना चाहता था परन्तु अब में मेहनत ज्यादा से ज्यादा करके ज्यादा से ज्यादा पाना चाहता हूं। मैं मानसिक रूप से ताकतवर बनके अपना भविष्य बनाना चाहता हूं।

सीखना और सीखाना आपका नेचर हैं। मैं आपके बारे में जितना लिखूंगा उतना ही कम हैं।

अवनेश कुमार शुक्ला, बी0टैक।

अपने लिए स्वार्थी होकर तो हर कोई जीता हैं लेकिन जो दूसरों को देने के लिए जिये उसे भगवना का दूत समझना चाहिए जो भगवान ने आपके लिए भेजा है क्योंकि वह आपको बहुत कुछ अच्छा देना चाहता हैं। शायद इसीलिए भगवान ने हमारे पास आप जैसे सर को भेजा मैं दोनों की बहुत ही शुक्रगुजार हूं।

हिमानी मेंहदीरता।

मैने देखा कि सर का लेक्चर इतना ज्ञानवर्धक था कि छात्र चाहते है कि सुबह से शाम तक शाम से रात तक और रात से सुबह तक सर का लेक्चर चलता रहें।

सत्यव्रत उपाध्याय।

आप मन व्यक्ति की सारी बुराईयो को निकालकर उसे अच्छा बनाने में विश्वास रखते हैं। आपका लेक्चर देना। आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाता है

सुधीर कुमार।

आपका लेक्चर देने के बाद हम अपनी सभी परेशानियों से दूर हो जाते हैं।

राहुल पाण्डे।

आज हमें बहुत नोलिज मिली जो कि आज तक हमें नही मिली आपने तो हमारे जीवन को परिवर्तित ही कर दिया।

गौरव गुप्तां।

आपके समझाने का तरीका बहुत ही अच्छा हैं जिससे हमें अपने कार्यो को करने में बहुत ही आसानी होती है।

सुमित कुमार।

मेरे अंदर की हिचकिचाहट में बहुत हद तक कमी आयी है और यह आपकी वजह से ही संभव हो पाया हैं।

मोहित कुमार जैंन।

आपने हमारे अंदर अग्रेंजी बोलने का आत्मविश्वास जगाया और हमें अच्छी अग्रेंजी बोलनी भी सिखायी।

विनीत कुमार तिवारी, बी0टैक।

आपकी आवाज से ही नही आपको देखने से भी एक नयी उमंग उठती हैं।

उदित नारायण सिंह, बी0फार्मा, गौरखपुर।

हमकों आपसे एक आत्म विश्वास मिला हमको ऐसा लगा कि हम अपनी जिंदगी में बहुत कुछ कर सकते हैं।

अचल, बी0फार्मा, गाजियाबाद।

मेरे पास तो आपके बारे में कहने के लिए कोई शब्द ही नहीं हैं अभी तक मैने अपनी जिंदगी में इतने कम समय में इतना अधिक कभी नहीं सीखा।

राहुल

आप मुझे मेरी जिंदगी में रोशनी बनकर आये हैं। मैं अपनी राह से भटकता जा रहा था।

ओम प्रकाश कन्नौजिया।

आपसे मिलकर मेरे अंदर एक नयी उमंग पढने के प्रति आयी है जो एक चमत्कार से बढकर है।

रामेन्द्र सिंह, मैनपुरी।

आप हमें पढाते है तो ऐसा लगता है कि कोई दोस्त हमें पढा रहा है और हमारे अंदर एक विश्वास आता है अब लगता है कि हम कुछ कर सकते हैं।

आशीष कुमार, बी0टैक।

आपका बताया हुआ हमें काफी हद तक समझ में आता हैं।

मुलायम सिंह, बी0टैक।

आपसे अच्छा कोई पढा ही नही सकता हैं।

निरंकार सिंह, बिजनौर।

आपको बच्चों के दिलों में झाकने की कला बहुत ही अच्छी तरह से आती हैं।

संजीव कुमार, गाजियाबाद।

यादशास्त बढाने का अच्छा तरीका प्राप्त किया वास्तव में ये प्रोग्राम जीवन को बदल देने वाला है और उद्देश्यों को प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण गुण सिखा।

संजीव कुमार, बनत।

मैं आज यहां आपकी बाते सुनकर बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं जो मैने आज यहां पर सुना उसे मैं अपने मित्र व परिवार के लोगों के साथ बताना चाहूंगी मै इसके लिए आपका धन्यवाद करती हूं।

नेहा जैन, बागपत।

मैने अपनी बुरी आदते छोडने की कसम खायी और मुझे इनकी बातों से तथा तरीकों को नयी ऊर्जा नयी शक्ति नये शक्ति नये विचार आये।

निशान्त भटनागर, बिजनौर।

आपका मार्गदर्शन हमारे जीवन के लिए हमें बहुत लाभकारी सिद्व हो रहा हैं।

सीताराम।

पत्ते गिरते है पेडों से उठाता हैं कोई कोई

पढाते है सभी समझाता हैं कोई कोई।

वर्णिका गर्ग।

आंखों से देखने से पहले मस्तिष्क से दखना चाहिए। उत्तम समय की उत्तम गुणवता को पहचाना। आपकी शिक्षा का अर्थ बहुत विचार से अच्छा कम विचार, विचारों से अच्छा हैं कार्य को करना हैं।

प्रियंका जैन, बडौत।

मैं भी बडा होकर आप ही जैसे बोलने और समाज में रहने का तरीका सीखना चाहता हूं। मेरी सोच मं अब तक के सबसे अच्छे अध्यापक मैं अपना आदर्श बनाना चाहता हूं।

रविन्द्र कुमार।

मैं अपने आपको काफी भाग्यशाली समझती हूँ क्योंकि यहाँ आकर बहुत कुछ सीखने को मिला।

साक्षी जैन, बागपत।

आज से मुझे अपना लक्ष्य मिल गया हैं ।

शिवानो

आपने जो कुछ भी बताया है वह हमारे जीवन में हर जगह काम आयेगा।

संदीप कुमार यादव, बी0टैक, इटावा।

आज मैने जो कुछ भी देखा व सुना वह मैने अपने जीवन में पहले कभी न देखा और न ही सुना।

जोगेन्द्र कुमार सैनी, सहारनपुर।

वास्तव में आज मैने कुछ करने की मन में ठानी है जिसे आजीवन निर्वाह करना हैं।

आज जो मैने सुना कभी आज तक इतना अच्छा प्रोग्राम न सुना और ना देखा, आपका एक अनोखा ही तरीका हैं।

आप पहले ऐसे सर है जो अपने विद्यार्थी को एक मित्र की भांति शिक्षा देने का पूरापूरा प्रयास करते हैं।

सुनील कुमार, मुजफ्फरनगर।

मेरा जीवन आपकी ही देन होगी क्योकि आपने ही मुझे जीने का एक अच्छा तरीका सिखाया हैं।

रमन कुमार, बिजनौर

वास्तव में आप भारत रत्न और विधा के सागर के समान हैं। सर आपकी ओर कितनी प्रसन्नसा करे कि हमारे पास शब्द भी नही हैं।

मौ0 इनाम कुरैशी।

हमारे अंदर की दमहंजपअम जीपदहे को सर बहुत अच्छे से दूर करते है और उन्हे चवेपजपअम मे बवदअमतज कर देते हैं।जिससे हमारी ींपजंजपवद दूर होती हैं।मैं सोचती हूँ कि

एक अच्छा जमंबीमत रमन सर के जैसा ही होना चाहिए जो जनकमदजे की मिमपदहे को बहुत अच्छी तरह से समझे।

अनुभा ढाका बी0 टेक0

आप ऐसा पढातें हो कि हम बुद्धिमान बन जाते हैं । मैने आपसे आज बहुत कुछ सीखा आपने आज जो भी बाते कही मैने उन्हे अपने दिमाग में उतार लिया है।

विपुल कुमार बी फार्मा ; बिजनौर

इस वर्कशाप से मुझे और मेरे मस्तिष्क को काफी लाभ हुआ। इससे मेरी स्मरण शक्ति काफी हुई। मुझे भौतिक विज्ञान के सूत्र रासायनिक विज्ञान का समीकरण आवर्त सारणी 100 सालो का कलेण्डर जीव विज्ञान के चित्र मे भी सहायता प्राप्त हुई है। अतः बी डा0 रमन सर की मै बहुत आभारी हूं ।

अंजुरानी बिजनौर

इस क्लास को करने के बाद हमारे अन्दर आत्म विश्वास बढ गया है और यह एक अच्छा विचार आया हैं। भ्म पे ं इमेज जमंबीमत ंदक पदजमससपहमदज ीनउंदण

फैजान अहमंद बी0 फार्म0

आज की कक्षा से अनुभव हुआ हैं कि मैं भी कुछ कर सकता हूॅं। जो सपने देखे थे। अब पूरे हो सकते हैं। क्तण् त्ण्च्ण् ोंतउं;त्उंदद्ध पे जीम इमेज जमंबीमतण्

प्रवीण कुमार बी0 फार्मा0 सहारनपुर

सर आपकी पढाने की स्टाइल सभी टीचरो से अदभुत अर्थात अलग है। हर कोई टीचर नही कर सकता, अपनी पढाई मे अब मुझे ओर भी प्दजतमेज आने लगा है।

विपिन शर्मा ;बुलंदशहर

मैने आप से मिलकर आज बहुत कुछ जाना है आज मुझे पता चला हैं कि मै क्या हूॅं और क्या कर सकता हूॅं सर पहले मेरा दिल पढाई में नही लगता था। मैंने अपने मन को अपने हाथों मारा हुआ था।

गौरव बागपत

दिमाग शून्य सुस्त शरीर लेकिन मन मेरे काबू में था।

गौरव कुमार शर्मा ;मपहीज सपजिपदह बींउचपवदद्ध

यहां पर आने से और शिक्षा लेने से अब जिंदगी जियेगें बल्कि काटेगें नही।

त्ीपचंस ैपदही;छंहंत चंदबींलंजद्धठीवांतमकप

आपके जैसा अध्यापक मिलना बहुत मुश्किल हैं। हमारी तरफ से आपको सत् सत् नमन।

इति आपका गनेश बाबू

अब मै सोच विचार कर बाते करूगां ताकि किसी के लिए मेरे मुख से कोई गलत बात न निकल जाए।

कामेश्वर त्यागी

मैने आज इस कीमती समय में बहुत कुछ पाया हैं।

विकास विमल बी0 फार्म

आपकी दी हुई शिक्षा हमें जीवन के अन्तिम समय तक साथ देंगी तथा जीवन मे सफलता प्राप्त करने मे सहायक होगी।

रानीबाला बी0टेक0 कानपुर

।